वीडियो वायरल कर पुलिस पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल. एक अधेड़ द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया गया, जिसने वीडियो वायरल कर पुलिस पर प्रताड़ित व अवैध वसूली * करने का आरोप लगाया है। घटना तिघरा इलाके की है। हालांकि पुलिस ने आरोपों को पूरी तरह से नकारते हुए अधेड़ के बेटे को क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर बदमाश बताया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मूलतः तिघरा थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सीरना का पुरा निवासी गंधर्व सिंह गुर्जर वर्तमान में अपने परिवार सहित पीटीएस तिघरा में रहता है। गंधर्व सिंह ने बीती शाम आत्महत्या करने के मकसद से जहरीला पदार्थ गटक लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां फिलहाल उसका उपचार जारी है। इस घटना से पूर्व अधेड़ ने एक वीडियो बनाया है, जिसमें उसने तिघरा थाना पुलिस पर विगत चार सालों से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए अपनी मौत के लिए पुलिस को ही आरोपी ठहराने की बात कही जा रही है।

बेटा बोला- हम पर झूठे केस लादे- गंधर्व सिंह के जहर खाने के बाद उसके बेटे योगेंद्र गुर्जर उर्फ जोगा व पवन ने भी वीडियो बनाकर वायरल किया है। जिसमें वह पुलिस पर आरोप लगाते हुए कह रहे हैं, कि पुलिस द्वारा लगातार हमें परेशान किया जा रहा है। हमारे यहां दो दो गाड़ी भरकर पुलिस आती है, जो पैसों की डिमांड करते हुए झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देती है। पूर्व में भी हम पर झूठे केस लादकर जेल पहुंचा दिया गया। जिसकी हमने एसपी तक शिकायत की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। गंधर्व के बेटे ने आरोप लगाया है, कि क्षेत्र में हुई एक लूट के मामले में उसे पकड़ा गया, जबकि जिस वक्त यह घटना घटित हुई, तब वह बिलौआ में था, उसके पास टोल से निकलते हुए का वीडियो भी है।

पुलिस बोली- क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर

वहीं पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि गंधर्व का बेटा योगेंद्र सिंह शातिर बदमाश है, जिसके खिलाफ पूर्व से आठ प्रकरण पंजीबद्ध हैं। यही नहीं वह नकबजनी भी करता है, उसके विरूद्ध पथरिया (विदिशा) में भी चोरी का केस दर्ज है। पुलिस के मुताबिक बीते गुरुवार को लूट का आरोपी कालू पुत्र बाबूसिंह गुर्जर निवासी सुरवाया को गिरफ्तार किया गया था। इससे पूर्व इसी मामले में योगेंद्र भी पकड़ा गया था, उसके बयान के आधार पर ही कालू को आरोपी बना था।

सीएसके को मिली सीजन की पहली जीत

नवभारत न्यूज

चेन्नई 11 अप्रैल. आईपीएल सीजन के 18वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना दिल्ली कैपिटल्स से हुआ। चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार तीन हार के बाद अब आईपीएल 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की है। दिल्ली कैपिटल्स को सीएसके ने 23 रन से हराया। 212 रन के जवाब में दिल्ली की टीम 189 रन पर ऑलआउट हो गई। 212 रन के जवाब में दिल्ली की टीम 189 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत में बल्लबाजी के हीरो थे संजू सैमसन जिन्होंने 115 रन की नाबाद पारी खेली। गेंदबाजी में जेमी ओवरटन ने चार और अंशुल कम्बोज ने तीन विकेट लिए।

इस मैच में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले चेन्नई को बल्लेबाजी का न्यौता दिया था। सीएसके ने पहले खेलते हुए 2 विकेट पर 20 ओवर में 212 रन बनाए। संजू सैमसन ने बेहतरीन शतक जड़ा और 56 गेंद पर नाबाद 115 रन बनाए। वहीं आयुष म्हात्रे ने 59 रन की पारी खेली और उन्हें रिटायर्ड आउट किया गया। दिल्ली को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। अंकतालिका में भी अब सीएसके का खाता खुला है और 10वें से 9वें स्थान पर आ गई है।

दिल्ली कैपिटल्स का 9वां विकेट 185 पर गिरा। अंशुल कम्बोज ने दूसरा विकेट लेकर कुलदीप यादव को पवेलियन भेजा। सरफराज खान ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में एक हैरतअंगेज कैच पकड़ा। उन्होंने अपनी सुपरमैन जैसी छलांग से कैच पकड़ा और अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा। जेमी ओवरटन ने अपना चौथा विकेट लेकर ट्रिस्टन स्टब्स के रूप में बड़ा विकेट लिया। वह 60 रन बनाकर आउट हुए।आकिब नबी दार ने आते ही अपने आईपीएल डेब्यू की पहली गेंद पर चौका जड़ा लेकिन उसके बाद वह दूसरी गेंद पर अगले ओवर में ओवरटन का शिकार बने। जेमी ओवरटन ने अपना तीसरा विकेट लिया।

नूर अहमद ही नहीं सीएसके के स्पिन विभाग को आईपीएल 2026 में पहला विकेट तीन मैचों के इंतजार के बाद मिला। उन्होंने आशुतोष शर्मा को 19 के स्कोर पर पवेलियन भेजा। दिल्ली का छठा विकेट 149 पर गिरा।

दिल्ली कैपिटल्स ने 121 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट गंवा दिया। डेविड मिलर को जेमी ओवरटन ने 17 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया।

वैभव सूर्यवंशी नंबर 1, आयुष म्हात्रे ने तोड़ा पृथ्वी शॉ का रिकॉर्ड

आयुष म्हात्रे ने आईपीएल 2026 के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 36 गेंद पर 59 रन बनाए। इस मैच में उनको रिटायर्ड आउट भी किया गया। उन्होंने फिफ्टी प्लस रन बनाकर पृथ्वी शॉ का रिकॉर्ड भी तोड़ा और वैभव सूर्यवंशी के बाद लिस्ट में नंबर 2 पर पहुंचे।

कांग्रेस महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। ग्वालियर जिले सहित मप्र में लगातार बढ़ रहे महिला उत्पीड़न, अत्याचार, दुराचार, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों को लेकर मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मप्र कांग्रेस प्रकोष्ठ प्रभारी महेन्द्र सिंह चौहान, महिला उत्तपीड़न निवारण प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष प्रियंका किरार एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के निर्देश पर कांग्रेस जिला महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष कीर्ति सिंघल पाठक ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमन गुर्जर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष कीर्ति सिंघल पाठक ने कहा कि ग्वालियर सहित पूरे प्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अपराध चिंता का विषय हैं। भाजपा सरकार के राज में महिलाएं घर से बाहर निकलने में खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। प्रदेश में बहन-बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है।

कीर्ति सिंघल पाठक ने आगे कहा कि महिला की सुरक्षा के लिए महिला हेल्पलाइन को सक्रिय किया जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, स्कूल-कॉलेज, बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय मिले। जबकि जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। माँ, बेटियों, बहनों और महिलाओं के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं करेगा तो कांग्रेस महिला शक्ति सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी। कांग्रेस नेत्रीयों ने चेतावनी दी कि यदि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस पार्टी जनआंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी।ज्ञापन देने वालो में प्रीति शर्मा, रेनू चौहान, अनीता पाल, रेखा जाटव, लक्ष्मी शर्मा, ममता सिकरवार, राम मूर्ति शर्मा, आशा, कमलेश परिहार, सुमन परिहार, रामा परिहार, ममता सेन सहित अनेक महिला नेत्रियां शामिल थीं।

ब्रांड एंबेसडर ने किया स्वच्छता एवं जल संरक्षण अभियान का आयोजन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। सावित्री श्रीवास्तव, वाटर वूमेन ब्रांड एंबेसडर (नगर निगम ग्वालियर) के निर्देशन में 'जल गंगा संवर्धन' अभियान के अंतर्गत सूरजकुंड क्षेत्र में स्वच्छता एवं जल संरक्षण को लेकर एक विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया।

इस अभियान में केआरजी कॉलेज की टीम एवं एनएनएस के 20 स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही दीप नीर संस्था के कर्मचारी, डॉ अर्चना सेन एवं रवि नंदोतिया ने मिलकर परिसर की सफाई की तथा जल स्त्रोत को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया।

अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

प्रद्युम्न का जीवाजीगंज में स्वागत, सुनी समस्याएं

करोसिया बनवा रहे गिर्राज जी का मंदिर

ग्वालियर। कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का वार्ड 36 जीवाजी गंज में आगमन हुआ। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य गुरुमुख करोसिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ऊर्जा मंत्री का स्वागत किया। करोसिया के आग्रह पर ऊर्जा मंत्री अपनी गाड़ी से उतरकर एक दुकान पर आकर बैठ गए और सभी कार्यकर्ताओं से मिले। स्वागत करने वालों में जिला संयोजक करणराज खरे, रिटा. क्षेत्राधिकारी नारायण करोसिया, माथा रोहिरा, निखिल प्रजापति, असलम खान, रंजन धौलपुरिया, रिंकू सोयते, अनु महेश, संदीप बेंगल अनिल कुशवाहा, बबलू शाक्य आदि शामिल थे। गैंडे वाली सड़क वार्ड 36 माता के मंदिर के पास गिरिराज जी के मंदिर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। गेटों का काम चल रहा है। जयपुर से गिरिराज जी महाराज की मूर्ति लाई जाएगी। इस मंदिर में सभी देवी देवताओं के मंदिर है। यहां गिरिराज जी का मंदिर नहीं था। क्षेत्रीय लोगों की मांग थी उसे पूरा कर दिया गया है। कुछ समय बाद मंदिर की भी स्थापना कर दी जाएगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम आयुक्त की सख्ती, लापरवाह अधिकारियों पर की कार्रवाई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। शहर में आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर तैयारियों को तेज करते हुए नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कलेक्शन, सीवर एवं नालों की सफाई सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, उपायुक्त श्री मुकेश बंसल सहित सहायक स्वच्छता अधिकारी, जोनल स्वच्छता अधिकारी एवं डब्ल्यू एच ओ उपस्थित रहे।

बाल भवन के सभागार में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा के दौरान पाया कि वार्ड 30 में समय पर कचरा ना उठने तथा तय संख्या के अनुसार सफाई कर्मचारी काम पर न मिलने पर एवं गंदगी पाए जाने पर वार्ड 30 के डब्ल्यू एच ओ का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। इसके साथ ही लक्ष्मीगंज एफसीटीएस पर जितनी टन में कचरा आ रहा था उतने टन में कचरा केदारपुर प्लांट पर पहुंच नहीं रहा था, जिस कारण लक्ष्मीगंज एफसीटीसी प्रभारी का 7 दिवस का वेतन काटने एवं जलालपुर एफसीटीसी प्रभारी का 3 दिवस का वेतन काटने के साथ ही सभी एफसीटीसी प्रभारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में डोर टू डोर वाहन की समीक्षा के दौरान पाया कि डोर टू डोर वाहन पर सुपरवाइजर नियमित नहीं चल रहे हैं ना ही समय पर आ रहे हैं तथा बैठक में अनुपस्थित रहने पर सुपरवाइजरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले डब्ल्यू एच ओ को नोटिस एवं 3 दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी निर्देश दिए कि गंदगी फैलाने वालों एवं गोबर सीवर में बहाने वालों पर प्रभावी जुर्माने की कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर वाहन कम से कम तीन ट्रिप लगाएं तथा पूरा एरिया कवर करें और समय पर कचरा कलेक्शन के लिए निकले, इसका संबंधित अधिकारी विशेष ध्यान रखें। अगर कोई कार्य में लापरवाही बरतता है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करें। निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सभी डिपो प्रभारी को निर्देशित किया कि वह सुनिश्चित करें कि सभी हेल्पर समय पर आए और डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने वाले सभी वाहन समय पर निकले। इसका सभी संबंधित सख्ती से पालन करें।

बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्यों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने पाया कि कुछ स्थानों पर कार्य संतोषजनक नहीं है। इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कुछ कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, वहीं कुछ के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की गई। निगमायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि शहर में नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए और वार्ड स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए।

ज्योतिबा फुले जयंती : फुले ने खोली थी बालिकाओं के लिए देश की पहली पाठशाला

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के नेतृत्व में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200 वीं जयंती पर गोल पहाड़िया स्थित ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माला पहनाकर पुष्पांजलि अर्पित की। यादव ने ज्योतिबा फुले के कार्यो को स्मरण करते हुए कहा कि उनके जीवन का मूल उद्देश्य स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करना, बाल विवाह का विरोध, विधवा विवाह का समर्थन करना रहा। वे समाज की कुप्रथाएं अंधश्रद्धा के जाल से समाज को मुक्त करना चाहते थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन स्त्रियों को शिक्षा प्रदान कराने में एवं स्त्रियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में व्यतीत किया, 19वीं सदी में स्त्रियों को शिक्षा नहीं दी जाती थी। महात्मा ज्योतिराव फुले देश से स्त्री-पुरुष के भेदभाव को मिटाना चाहते थे। उन्होंने कन्याओं के लिए भारत देश की पहली पाठशाला पुणे में बनाई थीं। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव सुग्रीव सिंह कुशवाह ने कहा कि स्त्रियों की तत्कालीन दयनीय स्थिति से फुले बहुत व्याकुल और दुखी होते थे इसीलिए उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि वे समाज में क्रांतिकारी बदलाव लाकर ही रहेंगे। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले को स्वयं शिक्षा प्रदान की। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षक थीं। महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले 11 अप्रैल 1827 एवं 28 नवम्बर 1890 भारतीय समाज सुधारक समाज प्रबोधक विचारक समाजसेवी लेखक दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे। इन्हें महात्मा फुले एवं ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है। सितम्बर 1873 में इन्होने महाराष्ट्र में सत्यशोधक समाज नामक संस्था का गठन किया। महिलाओं व पिछड़े और अछूतों के उत्थान के लिए इन्होंने अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गो को शिक्षा प्रदान करने के वे प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के विरुद्ध थे। निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 1873 मे सत्यशोधक समाज स्थापित किया। उनकी समाजसेवा देखकर 1888 में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई। ज्योतिबा ने ब्राह्मण, पुरोहित के बिना ही विवाह संस्कार आरम्भ कराया और इसे मुंबई उच्च न्यायालय से भी मान्यता मिली। वे बाल विवाह विरोधी और विधवा विवाह के समर्थक थे। अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं जिनमें गुलामगिरी, तृतीय रत्न, छत्रपति शिवाजी, राजा भोसला का पखड़ाए, किसान का कोड़ा, अछूतों की कैफियत मुख्य थी। महात्मा ज्योतिबा व उनके संगठन के संघर्ष के कारण सरकार ने एग्रीकल्चर एक्ट पास किया। धर्म समाज और परम्पराओं के सत्य को सामने लाने हेतु उन्होंने अनेक पुस्तकें लिखी।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, प्रदेश सचिव राहुल शर्मा, संगठन महामंत्री इब्रहिम पठान, रचना कुशवाह, सुग्रीव कुशवाह, पूरन सिंह कुशवाह, भूपेन्द्र तौमर, तरूण यादव, राजेश बाबू, लक्ष्मी माथुर, पूनम प्रजापति, मुकेश धाकड़, संजीव दीक्षित, संजीव जयंत, शिवचरण सिमौल, नरेन्द्र मैकले, राकेश कुशवाह सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मंत्री ने बंगले पर की जनसुनवाई, समस्याओं का तुरत-फुरत निराकरण

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी भाव के साथ जन समस्यायें सुनकर जरूरतमंद लोगों तक सरकार की योजनाओं की पहुँच आसान की जा रही है। यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को रेसकोर्स रोड स्थित अपने स्थानीय सरकारी कार्यालय पर जनसुनवाई के अवसर पर कही। उन्होंने आमजनों की एक-एक कर समस्यायें सुनीं। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अधिकारियों से कहा कि समस्याओं का निदान निर्धारित समय सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनसुनवाई में आईं पात्र महिलाओं को राशन दिलाने, पात्र वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत करने तथा निःशुल्क इलाज के लिये आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए।

मेडिकल कॉलेज में छात्र शाखा प्रभारी को हटाया, इंटेलीजेंस की नजर

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। गजरा राजा मेडिकल कॉलेज से एक ऑडियो वायरल होने के बाद छात्र शाखा के प्रभारी प्रशांत चतुर्वेदी को तुरंत पद से हटा दिया गया है। इस ऑडियो में बर्खास्त एमबीबीएस छात्रों को पैसे लेकर डिग्री दिलाने की बात सामने आई है, जिससे पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि इस मामले में उनके सहायक पंकज कुशवाह पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऑडियो में एक पूर्व छात्र 16-16 लाख रुपए की डील का आरोप लगा रहा है, जबकि प्रभारी जीवाजी यूनिवर्सिटी में ज्यादा खर्च होने की बात करते सुनाई दे रहे हैं।

पूर्व मेडिकल स्टूडेंट की शिकायत के बाद अब यहां व्यापमं कांड के पन्ने फिर से खुल गए हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन ने जांच शुरू करवा दी है, जबकि इंटेलीजेंस की नजर में भी पूरा मामला आ गया है। इंटेलीजेंस के अफसरों ने शिकायतकर्ता से दस्तावेज मांगे हैं।

पूर्व मेडिकल स्टूडेंट संदीप लहारिया ने शिकायत में बताया कि साल 2010 में व्यापमं कांड का खुलासा हुआ था। इसमें साल 2006 से 2010 के बीच करीब 150 से ज्यादा छात्रों पर एफआईआर दर्ज की गई। पर 30 से 35 एमबीबीएस छात्र ऐसे थे जिनको संदिग्ध माना गया था और जांच में लिया गया था। केस रजिस्टर्ड हुआ था, मामला सीबीआई कोर्ट में चल रहा है। इन छात्रों का भविष्य अंधेरे में था।

मामले की सही और निष्पक्ष जांच के लिए साल 2017 में एक न्यू हाई पॉवर एक्शन कमेटी बनाई गई थी। जिसमें ग्वालियर के चुनिंदा डॉक्टर शामिल थे। कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट दी जिसके आधार पर लगभग 30 से ज्यादा एमबीबीएस छात्रों को बर्खास्त किया गया था। जिसमें शिकायतकर्ता संदीप का भी नाम शामिल है। इन बर्खास्त छात्रों से अभी तक किसी को भी बहाल नहीं किया गया है न ही कोई दूसरी कमेटी बनी है जिसने किसी भी छात्र को राहत दी हो। इसके बाद भी कई छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री बांट दी गई। यह अपने आप में धोखा और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इस मामले में राज्यपाल से लेकर मेडिकल कॉलेज के डीन तक की गई शिकायत में पूर्व छात्र संदीप लहारिया ने आरोप लगाया था कि मेडिकल कॉलेज से बर्खास्त छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री गलत तरीके से बांट दी गई।

हौसलों की उड़ान : हवाई जहाज़ से उड़ान भरने वाली गांव की पहली बहू मीनाक्षी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 11 अप्रैल। ग्वालियर संभाग के गुना जिले के बमोरी ब्लॉक की मीनाक्षी फराक्टे आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। राजमाता स्व-सहायता समूह की सदस्य और शिवाजी राज सीएलएफ से जुड़ी मीनाक्षी उन्नत आजीविका प्रोसेसिंग केंद्र की सेंटर इंचार्ज हैं। उनका यह सफर केवल एक महिला की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संघर्ष और संकल्प की जीवंत मिसाल है। स्व- सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें दिल्ली में आयोजित एआई समिट में शामिल होने हवाई जहाज़ में बैठने का अवसर मिला। यह अवसर प्राप्त करने वाली वह गांव की पहली बहू हैं।

मीनाक्षी बताती हैं कि उनके प्रोसेसिंग केंद्र में किसान दीदियों से कच्चा माल खरीदा जाता है, फिर उसे प्रोसेस कर बाजार तक पहुंचाया जाता है। उनके साथ जुड़ी समूह की महिलाएं अलग-अलग माध्यमों से कभी घर-घर जाकर, कभी दुकानों पर, तो कभी आंगनवाड़ी और स्कूलों में चल रहे मध्याह्न भोजन कार्यक्रमों के जरिए बिक्री करती हैं। लेकिन यह राह आसान नहीं थी। जब मीनाक्षी और उनकी साथी महिलाएं पहली बार दुकानों पर अपने उत्पाद बेचने गईं, तो लोगों को विश्वास ही नहीं होता था कि महिलाएं भी सफल मार्केटिंग कर सकती हैं। दुकानदार अक्सर सवाल करते 'क्या आप लोग समय पर सामान पहुंचा पाएंगी? क्या इतनी जिम्मेदारी निभा पाएंगी? एक महिला होने से उन पर संदेह भी किया जाता था। कई बार एक ही दुकान पर दो से चार बार जाना पड़ता, बार-बार समझाना पड़ता, भरोसा दिलाना पड़ता कि वे भी गुणवत्तापूर्ण सामान समय पर दे सकती हैं। हर दिन नई चुनौतियां सामने आती थीं, लेकिन मीनाक्षी और उनकी समूह की दीदियों ने कभी हार नहीं मानी। वे लगातार हर दुकान, हर घर तक पहुंचीं और अपने काम से लोगों का भरोसा जीता। आज वही मेहनत रंग लाई है। पिछले दो वर्षों में उनकी यूनिट 70 लाख रुपये की बिक्री कर चुकी है, जिसमें अकेले मीनाक्षी ने 25 से 30 लाख रुपये तक की बिक्री की है। जो आय पहले केवल 5 हजार रुपये थी, वह आज बढ़कर 25 हजार रुपये प्रतिमाह हो गई है। मीनाक्षी कहती हैं कि मार्केटिंग उतनी कठिन नहीं है, जितनी हम सोचते हैं। बस पहला कदम बढ़ाना पड़ता है। जब तक हम खुद अनुभव नहीं करेंगे, तब तक डर बना रहेगा। लेकिन एक बार शुरुआत कर दी, तो हम सब कुछ कर सकते हैं। उनकी उपलब्धियां यहीं नहीं रुकीं। दिल्ली में आयोजित एआई समिट में शामिल होने के लिए मीनाक्षी पहली बार फ्लाइट से यात्रा कर चुकी हैं। वे गर्व से कहती हैं कि वे अपने गांव की पहली बहू हैं, जिसने हवाई जहाज में सफर किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री . मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मीनाक्षी कहती हैं कि आज उन्हें जो मंच मिला है, वह इसी समर्थन का परिणाम है। उनकी कहानी बताती है कि यदि हौसले बुलंद हों, तो गांव की महिलाएं भी आसमान छू सकती हैं।